दैनिक जागरण 10-7-13.

चीनी होगी और महंगी

घटेगी मिठास

- आयात शुल्क 10 से बढ़कर 15 फीसद हुआ, बढ़ेंगे दाम
- उद्योग ने बताया नाकाफी, गन्ना बकाया भुगतान में होगी सहूलियत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : घरेलू बाजार में आयातित चीनी की बाढ़ रोकने के लिए सरकार ने आयात शुल्क में पांच फीसद की वृद्धि कर इसे 15 फीसद कर दिया है। सरकार के इस फैसले से चीनी उद्योग को गन्ना एरियर के भुगतान में जहां सहूलियत मिलेगी, वहीं घरेलू बाजार में चीनी महंगी हो जाएगी।

गन्ना किसानों का 9,000 करोड़ रुपया चीनी मिलों पर बकाया है। इसे देखते हुए ही चीनी उद्योग आयात पर अंकुश लगाने के लिए शुल्क बढ़ाने की मांग कर रहा था। केंद्रीय उत्पाद व सीमा शुल्क परिषद की जारी अधिसूचना में रिफाइंड और कच्ची चीनी पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 15 फीसद कर दिया गया है। मगर चीनी उद्योग ने आयात शुल्क में वृद्धि को नाकाफी बताते हुए निराशा जताई है। उद्योग के जानकारों के मुताबिक उत्तर प्रदेश की मिलों की चीनी बाजार में लागत मूल्य से कम पर बिक रही है। ऐसे में चीनी उद्योग की मांगों पर विचार करते हुए सरकार ने आयात शुल्क बढ़ा दिया, ताकि किसानों के बकाये का भुगतान हो सके।

वहीं, जिंस बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार के इस फैसले से घरेलू बाजार में चीनी के दाम बढ़ेंगे। फिलहाल दिल्ली में खुली चीनी का मूल्य 40 रुपये किलो और पैकिंग में 50 रुपये किलो है। आयात शुल्क में संशोधन पर विचार करने के लिए पिछले सप्ताह वित्त मंत्री पी. चिदंबरम, कृषि मंत्री शरद पवार और खाद्य मंत्री केवी थॉमस की बैठक हुई थी। उसके बाद ही थॉमस ने कहा था कि उद्योग की मुश्किलों को देखते हुए आयात शुल्क में वृद्धि जरूरी हो गई है। चीनी उद्योग ने इस शुल्क वृद्धि को नाकाफी बताते हुए इसे 40 फीसद करने की मांग की है।